Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University

(Central University), New Delhi

1.3.2. Details of Value Added Courses (2020-21)

S.No.	Name of Programme	Name of Course	Course Code	Course Credits	Prog.-wise total no. of value added courses
1.	शास्त्री (B.A.)	पर्यावरण अध्ययन	AE-ES-25(2)	02	07
2.		संगणक-1	SE-C-28(3)	02	
3.		संगणक विज्ञान-2	SE-C-28	04	
4.		पर्यावरण विज्ञान	AE-ES-25	04	
5.		पर्यावरण विज्ञान एडवान्स	GE-ES-25	04	
6.		मानवाधिकार	AE-MA-26	04	
7.		मूल्य शिक्षा	AE-MM-27	04	
8.	शिक्षाशास्त्री (B.Ed.)	सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी का अनुप्रयोग	103	04	07
9.		शिक्षण अधिगम की तकनीकी	121	04	
10.		विद्यालय सम्बद्धता	141	20	
11.		पर्यावरण शिक्षा	161	04	
12.		मूल्य शिक्षा एवं व्यावसायिक आचार	162	04	
13.		योग स्वास्थ्य एवं शारीरिक शिक्षा	163	04	
14.		मानवाधिकार शिक्षा	165-(v)	04	
15.	शिक्षाचार्य (M.Ed.)	शैक्षिक प्रौद्योगिकी	204	04	07
16.		पर्यावरण शिक्षा	224-(iii)	04	
17.		संस्था सम्बद्धता	243	08	
18.		मूल्य शिक्षा	261-(i)	04	
19.		योग शिक्षा	261-(ii)	04	
20.		प्राचीन शिक्षा का इतिहास एवं दर्शन	261-(iii)	04	
21.		मानवाधिकार	261-(iv)	04	
		कुल मूल्य संवर्द्धन कोर्स			**21**

सत्यापित
VERIFIED

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

कुलसचिव / Registrar
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

3. सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी का अनुप्रयोग

(Application of ICT)

कोर्स कोड = 103
क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह

कुल क्रेडिट्स = 04
कुल अंक = 100

उद्देश्य (Objectives) –

- कम्प्यूटर की अवधारणा एवं कार्यप्रणाली से अवगत कराना।
- इन्टरनेट एवं ई–मेल की कार्यविधि एवं शैक्षिक उपयोग से परिचित कराना।
- कम्प्यूटर आधारित अधिगम की अवधारणाओं से अवगत कराना।
- सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी एवं सम्प्रेषण के सम्प्रत्यों से परिचित कराना।
- एम.एस. ऑफिस से सम्बन्धित शैक्षिक अनुप्रयोग की दक्षताओं का विकास कराना।

पाठ्य–वस्तु (Course Content) 75 अंक

इकाई – १ : कम्प्यूटर– अभिप्राय; घटक–इनपुट, आउटपुट, सेन्ट्रल प्रोसेसिंग यूनिट (C.P.U.); कार्यप्रणाली–एप्लीकेशन तथा सिस्टम सॉफ्टवेयर; कम्प्यूटर नेटवर्क–अभिप्राय, आवश्यकता एवं प्रकार (LAN, MAN&WAN); शैक्षिक उपयोगिता। **इन्टरनेट–** अभिप्राय, कार्यविधि, इन्टरनेट प्रोटोकॉल (फाइल ट्रांसफर प्रोटोकॉल FTP एवं हाइपर टैक्स्ट ट्रांसफर प्रोटोकॉल HTTP), शैक्षिक उपयोग। ई.मेल – अभिप्राय, कार्यविधि एवं शैक्षिक उपयोग।

इकाई –२ : कम्प्यूटर आधारित अधिगम– ई–अधिगम–अभिप्राय, विशेषताएँ, विभिन्न प्रारूप (अवलंब– Support, मिश्रित– Blended, सम्पूर्ण– Complete),शैलियाँ (एसिन्क्रोन्स एवं सिन्क्रोन्स सम्प्रेषण शैलियाँ) लाभ एवं दोष। कम्प्यूटर सहायक अनुदेशन (CAI)– अभिप्राय, मान्यताएं, प्रयुक्त तकनीकी (हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर एवं कोर्सवेयर), एवं शैक्षिक उपयोग। कम्प्यूटर प्रबंधित अनुदेशन (CMI)– अभिप्राय एवं शैक्षिक उपयोग।

इकाई–३. उपागम एवं ई–संसाधन–टीपैक उपागम (TPACK), मुक्त शैक्षिक संसाधन (OER), मूक्स (MOOCS), SWYAM, SWYAMPRABHA, अभिप्राय, विशेषताएं एवं शिक्षा में उपयोगिता।

इकाई –४ : सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी– अभिप्राय, प्रकार (परम्परागत एवं आधुनिक),शैक्षिक उपयोगिता। सम्प्रेषण – अभिप्राय, प्रक्रिया, विभिन्न माध्यम, प्रकार, बाधकतत्व। टेलीकानफ्रेंसिंग– अभिप्राय, प्रकार (ऑडियो, वीडियो एवं कम्प्यूटर), लाभ।

इकाई –५ : एम.एस.ऑफिस– एम.एस. वर्ड–अभिप्राय, विशिष्टताएं, शैक्षिक उपयोगिता, एम.एस. पांवरपॉइन्ट–अभिप्राय, विशिष्टताएं, अभिकल्पन एवं प्रस्तुतिकरण, शैक्षिक उपयोगिता, एम.एस. एक्सेल–विशिष्टताएं, शैक्षिक उपयोगिता ।

सत्रीय कार्य–निम्नलिखित में से दो– 25 अंक

१. दत्त कार्य
२. ई.मेल एवं इन्टरनेट के प्रयोग आधारित प्रायोगिक कार्य।
३. एम.एस.ऑफिस आधारित प्रायोगिक कार्य एवं वाक् परीक्षण।

अध्येय ग्रन्थ–

1. P.K. Sinha and P. Sinha (2005) - Foundations of Computing
2. S. Sangamn- Microsoft Office 2000 for Windows
3. मंगल, एस.के. एवं मंगल उमा, (२००९) शिक्षा तकनीकी, प्रेन्टिस हाल, नई दिल्ली।
4. पाठक, आर.पी.,(2014) शैक्षिक तकनीकी, विकास पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
5. गोपाल, हेमन्त कुमार(2010) कम्प्यूटर शिक्षा, आर. लाल बुक डिपो मेरठ (उ.प्र.)

सत्यापित
VERIFIED

कुलसचिव / Registrar
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

6. शिक्षण अधिगम की तकनीकी
(Technology of Teaching-Learning)

कोर्स कोड = 121

क्रिन्यान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह

कुल क्रेडिटस = 04

कुल अंक = 100

उद्देश्य (Objectives) –

– शिक्षण की अवधारणा, चर प्रकार एवं सूत्रों का शिक्षण की व्यावहारिक परिस्थितियों में निहितार्थ समझना।
– शिक्षण की अवस्थाओं एवं स्तरों का शैक्षणिक परिस्थितियों में अनुप्रयोग हेतु कौशल विकास सुनिश्चित करना।
– शिक्षण के प्रतिमानों एवं उसके आधारभूत घटकों के उपयोग हेतु दक्षता विकसित करना।
– शिक्षण के विविध रचनाकौशलों के प्रयोग की क्षमता का विकास करना।
– शैक्षिक तकनीकी एवं उससे सम्बन्धित स्वरूपों के अनुप्रयोग में दक्षता विकसित करना।

पाठ्य–वस्तु (Content) 75 अंक

इकाई – १ : शिक्षण की अवधारणा– अभिप्राय, विशेषताएँ, चर तथा प्रकार्य, विभिन्न रूप–अनुबन्धन, प्रशिक्षण, अनुदेशन एवं मतारोपण तथा इनमें अन्तर, अनुसिद्धान्त, सूत्र, अधिगम की अवधारणा एवं उसका शिक्षण से सम्बन्ध।

इकाई – २ : शिक्षण की अवस्थाएं एवं स्तर– अवस्थाएं – शिक्षण से पूर्व, शिक्षण के समय और शिक्षण के बाद (अभिप्राय, विशेषताएं एवं संक्रियाओं के सन्दर्भ में) तथा इनमें अन्तर। **स्तर**–स्मृति; अवबोध एवं विमर्शी स्तर (अभिप्राय, अन्तर्निहित अधिगम सिद्धान्त, शिक्षण तथा परीक्षण सम्बन्धी रचनाकौशल के सन्दर्भ में) तीनों में अन्तर।

इकाई – ३ : शिक्षण के प्रतिमान– अभिप्राय, आधारभूत तत्त्व, आवश्यकता, प्रकार–सामाजिक अन्तर्क्रिया स्रोत, सूचना प्रक्रिया स्रोत, व्यक्तिगत स्रोत एवं व्यवहार परिवर्तन स्रोत के आधार पर। कुछ महत्वपूर्ण शिक्षण प्रतिमान– आधारभूत शिक्षण प्रतिमान, सम्प्रत्यय सम्प्राप्ति प्रतिमान (आग्रहण एवं चयन प्रतिमान) तथा पृच्छा प्रशिक्षण प्रतिमान।

इकाई – ४ : शिक्षण रचना कौशल एवं युक्तियाँ– अभिप्राय, अन्तर एवं प्रकार–प्रभुत्ववादी (व्याख्यान, प्रदर्शन, अनुवर्गशिक्षण, टीम शिक्षण एवं अभिक्रमित अधिगम) और जनतान्त्रिक (परिचर्चा, परियोजना, विचारावेश, दत्त कार्य एवं भूमिका निर्वाह), सूक्ष्म शिक्षण– अभिप्राय, उद्देश्य, प्रक्रिया, अवस्थाएं, लाभ एवं सीमाएं। अनुरूपित शिक्षण–अभिप्राय, उद्देश्य, प्रक्रिया, लाभ एवं सीमाएं।

इकाई – ५ : शैक्षिक तकनीकी– अभिप्राय, उद्देश्य, उपागम– कठोरतन्त्र, कोमलतन्त्र एवं प्रणाली उपागम, शिक्षण अधिगम में अनुप्रयोग, विभिन्न रूप– शिक्षण तकनीकी, अनुदेशनात्मक तकनीकी एवं व्यवहारजन्य तकनीकी। अनुदेशनात्मक उद्देश्य–अभिप्राय वर्गीकरण एवं उनका लेखन।

सत्रीय कार्य–निम्लिखित में से कोई दो– 25 अंक

१. इकाई आधारित व्यष्टिपरक दत्त कार्य।
२. शिक्षण प्रतिमान आधारित पाठयोजना निर्माण।
३. व्यूहरचना आधारित प्रतिवेदन निर्माण एवं प्रस्तुतीकरण।
४. इकाई ४–५ के लिये निर्धारित शीर्षकों पर चयनित रचना कौशलों एवं शैक्षिक तकनीकी के माध्यमों पर आधारित प्रस्तुतियां एवं उनपर समीक्षात्मक चर्चा।

अध्येय ग्रन्थ–

1. पाठक एवं उपाध्याय, शैक्षिक प्रौद्योगिकी एवं क्रियात्मक अनुसंधान अभिषेक प्रकाशन पीतमपुरा, दिल्ली
2. पाठक, आर.पी., शैक्षिक प्रौद्योगिकी के नवीन आयाम, राधा प्रकाशन, अंसरी रोड, दरियागंज दिल्ली
3. पाठक, आर.पी. (2011) शैक्षिक प्रौद्योगिकी, पियर्सन एजुकेशन, नालेज पार्क–नोएडा (उ.प्र.)
4. पाठक, आर.पी. एवं भारद्वाज, अमिता पाण्डेय (201) शैक्षिक प्रौद्योगिकी एवं क्रियात्मक अनुसंधान, कनिष्का प्रकाशन, नई दिल्ली
5. पाठक, आर.पी. (2011) एजुकेशनल टेक्नोलाजी, पियर्सन एजुकेशन, नालेज पार्क–नोएडा (उ.प्र.)
6. पाण्डेय, के.पी. (1992) अभिक्रमित अधिगम की टेक्नोलाजी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी (उ.प्र.)
7. शर्मा, आर.ए. (2000) शिक्षा तकनीकी के आधार, आर. लाल बुक डिपो, मेरठ (उ.प्र.)

सत्यापित
VERIFIED

कुलसचिव / Registrar
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी–4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

विद्यालय सम्बद्धता (School Internship)

उद्देश्य – विद्यालय सम्बद्धता कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य व्यावसायिक दक्षता का विकास करना है जिसे निम्नलिखित उद्देश्यों द्वारा प्राप्त करने का प्रयास किया जायेगा। छात्राध्यापकों को –

- वास्तविक विद्यालय परिवेश का अनुभव प्रदान करना।
- विद्यालय गतिविधियों से परिचित कराना।
- वास्तविक परिस्थितियों में शिक्षण कार्य का अभ्यास प्रदान करना।
- पाठयोजना अनुसार शिक्षण का अभ्यास प्रदान करना।
- पाठ्यक्रम में निर्धारित शिक्षण विषयों के शिक्षण में पारंगत कराना।

विद्यालय सम्बद्धता कार्यक्रम– मूल्यांकन प्रक्रिया का स्वरूप –

समय अवधि (Time-duration) 18 सप्ताह	पाठ्यक्रमीय क्रियायें (Curricular Activities)	छात्राध्यापकों द्वारा कार्य (Work done by Student Teachers)
1 सप्ताह (1 week)	**(i) विद्यालय परिवेश को जानना।** - सम्बद्ध विद्यालय के नियमित अध्यापकों के अध्यापन कार्य का अवलोकन। - सम्बद्ध विद्यालय की गतिविधियों एवं अभिलेखों पर आधारित प्रतिवेदन। - सम्बद्ध विद्यालय के सामुदायिक परिवेश का प्रेक्षण एवं प्रतिवेदन।	प्रेक्षण आख्या
1 सप्ताह (1 week)	**(ii) कक्षा शिक्षण अभिमुखीकरण** (सम्बद्ध विद्यालय के शिक्षकों एवं अध्यापक प्रशिक्षक के निर्देशन में)	
10 सप्ताह (10 weeks)	(iii) **पाठयोजना आधारित शिक्षण अभ्यास** उच्च प्राथमिक स्तर (6-8th कक्षा) – दो शिक्षण विषयों पर–संस्कृत व अन्य विषय शिक्षण । – विद्यालयीय गतिविधियों में प्रतिभाग।	पाठ योजना 30 (15+15)
4 सप्ताह (4 weeks)	(iv) क– **पाठयोजना आधारित शिक्षण अभ्यास** - माध्यमिक स्तर (9-10th कक्षा) – दो शिक्षण विषयों पर–संस्कृत व अन्य विषय शिक्षण । – विद्यालयीय गतिविधियों में प्रतिभाग। **या**	पाठ योजना 20 (10+10)
2 सप्ताह (2 weeks)	(iv) **ख–पाठयोजना आधारित शिक्षण अभ्यास**- माध्यमिक स्तर (9-10th कक्षा) – दो शिक्षण विषयों पर–संस्कृत व अन्य विषय शिक्षण । – विद्यालयीय गतिविधियों में प्रतिभाग।	पाठ योजना 10 (5+5)
2 सप्ताह (2 week)	**पाठयोजना आधारित शिक्षण अभ्यास** - उच्च माध्यमिक स्तर (11-12th कक्षा) – दो शिक्षण विषयों पर–संस्कृत व अन्य विषय शिक्षण । – विद्यालयीय गतिविधियों में प्रतिभाग।	पाठ योजना 10 (5+5)
2 सप्ताह (2 week)	(v) **समीक्षा पाठ** – – समीक्षा पाठ प्रस्तुतीकरण हेतु अभ्यास – समीक्षा पाठ मूल्यांकन – सहपाठी कक्षा शिक्षण प्रेक्षण (Peer Class Teaching observation)	सहपाठी कक्षा शिक्षण प्रेक्षण आधारित प्रतिवेदन

सत्यापित
VERIFIED

कुलसचिव / Registrar
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

11. पर्यावरण-शिक्षा
(Environmental Education)

कोर्स कोड = 161 | कुल क्रेडिट्स = 04

क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह | कुल अंक = 100

उद्देश्य (Objectives) –

- पर्यावरणीय शिक्षा की अवधारणा, उद्देश्य एवं महत्त्व का प्राचीन भारतीय परम्परा में निहित पर्यावरणीय दृष्टि के परिप्रेक्ष्य में अवबोध कराना।
- मानव पर्यावरण संबंध तथा परितंत्र के संप्रत्यय का अवबोध कराना।
- जैव विविधता के संप्रत्यय एवं महत्त्व तथा पर्यावरणीय प्रदूषण के प्रकार, कारण एवं निवारण के उपायों से अवगत कराना।
- पर्यावरणीय संरक्षण एवं सुरक्षा में शिक्षकों एवं स्वयं सेवी संस्थाओं की भूमिका तथा सुस्थिर विकास के सम्प्रत्यय से अवगत कराना।
- पर्यावरणीय ज्ञान, अभिवृत्ति एवं कौशल में निपुण बनाना।

पाठ्य–वस्तु (Content) — 75 अंक

इकाई-१ : पर्यावरण-शिक्षा – अवधारणा, उद्देश्य, महत्त्व एवं क्षेत्र। पर्यावरण शिक्षा के उपागम, पर्यावरणीय शिक्षा का अन्य विषयों के साथ सहसंबंध। प्राचीन भारतीय परम्परा में पर्यावरणीय दृष्टि,पर्यावरण संरक्षण पर भारतीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

इकाई-२ : मानव एवं पर्यावरण- मानव एवं पर्यावरण के मध्य संबंध, परितंत्र-संप्रत्यय, घटक, प्रकार, जैव विविधता-संप्रत्यय एवं महत्त्व।

इकाई-३ : पर्यावरणीय अवनयन: प्रकार, कारण - जल, भूमि, वायु, ध्वनि एवं नाभिकीय प्रदूषण के कारण एवं निवारण के उपाय। पर्यावरण एवं स्वास्थ्य,जल संरक्षण एवं Rain water harvesting

इकाई-४ : पर्यावरण सुरक्षा: प्राचीन भारतीय संदर्भ में पर्यावरणीय सुरक्षा के उपाय। सुस्थिर विकास, पर्यावरण सुरक्षा सम्बन्धी कानून एवं आन्दोलन,पर्यावरण संरक्षण हेतु भारत स्वच्छता अभियान, पर्यावरण संरक्षण में शिक्षक एवं स्वयंसेवी संस्थाओं की भूमिका।

इकाई-५ : पर्यावरण-शिक्षा एवं प्रबन्धन - परिस्थितिकी क्लब, शैक्षिक पर्यटन, दृश्य-श्रव्य साधन,सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी की भूमिका, खेल एवं अनुरूपण। अपशिष्ट प्रबन्धन, अपशिष्ट से ऊर्जा।

सत्रीय कार्य - — **25 अंक**

1. पर्यावरणीय क्लब।
2. स्वच्छता अभियान कक्षा,गृह परिसर तथा आस-पड़ोस।

अध्येय ग्रन्थ–

1. सक्सेना, ए.बी., (2000) पर्यावरण शिक्षा (शिक्षा के संदर्भ में), आर्यबुक डिपो, दिल्ली
2. सिंह, सविन्द्र, (2005) पर्यावरण भूगोल, प्रयाग पुस्तक भवन, 20-ए यूनिवर्सिटी रोड, इलाहाबाद उ.प्र.
3. इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय पर्यावरण और संसाधन, नई दिल्ली।
4. फेडोरेव, ई.मेन एण्ड, (1980) द इकोलोजिकल क्राइसेज एण्ड सोसल प्रोग्रेस,नेचरप्रोगेरपब्लिशर्स, मास्को
5. रघुवंशी डा. अरुण एवं, पर्यावरण तथा प्रदूषण, म.प्र. हिंदी ग्रन्थ अकादमी, चन्द्रलेखा भोपाल
6. यूनेस्को (1977) ट्रेन्ड्स इन इनवायरमेण्टल एजूकेशन, यूनेस्को, पेरिस
7. शर्मा आर.ए. (990) पर्यावरण शिक्षा आर लाल बुक डिपो मेरठ (उ.प्र.)
8. कालीराम (1995) पर्यावरण शिक्षा आर लाल बुक डिपो मेरठ (उ.प्र.)
9. वत्स, मिश्रा सन्ध्या(2005) पर्यावरण शिक्षा आर लाल बुक डिपो मेरठ (उ.प्र.)

सत्यापित VERIFIED

कुलसचिव / Registrar
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

10. गुप्ता,आर.डी.एवं सिंह के.बी. (2010) पर्यावरण अध्ययन,आर. लाल-बुक डिपो मेरठ (उ.प्र.)

12. मूल्य शिक्षा एवं व्यावसायिक आचार
(Value Education & Professional Ethics)

कुल क्रेडिटस = 04
कुल अंक = 100

कोर्स कोड = 162
क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह

उद्देश्य (Objectives) –

– मूल्य शिक्षा की अवधारणा एवं आवश्यकता से परिचित कराना।
– मूल्यों के वर्गीकरण से अवगत कराना।
– मूल्य शिक्षण की विभिन्न विधियों के प्रयोग में सक्षम बनाना।
– व्यक्तित्व विकास में मूल्य शिक्षा के माध्यम से व्यावसयिक प्रतिबद्धता विकसित करना।

75 अंक

पाठ्य–वस्तु (Content)

इकाई – १ : मूल्य शिक्षा– स्वरूप, उद्देश्य तथा मूल्य परक शिक्षा का विकास, मानवीय मूल्यों की अवधारणा, आवश्यकता, उद्देश्य तथा महत्त्व, शिक्षा नीतियों में मूल्य शिक्षा।

इकाई – २ : मूल्यों का वर्गीकरण– शैक्षिक, व्यावसायिक, सामाजिक, सौन्दर्यात्मक, नैतिक, आध्यात्मिक मूल्य के सन्दर्भ में।

इकाई – ३ : मूल्य शिक्षण की विधियां – मूल्यों का आभ्यान्तरीकरण – विद्यालयी विषयों, पाठ्य सहगामी क्रियाओं द्वारा, भूमिका निर्वहन, मूल्य स्पष्टीकरण एवं विश्लेषण, कहानी प्रस्तुतीकरण तथा चर्चा विधि ।

इकाई – ४ : व्यक्तित्व विकास में मूल्य शिक्षा – आत्मबोध, आत्मविश्लेषण तथा अन्तदर्शन, आत्मनियंत्रण, धैर्य, त्याग, रचनात्मकता, परोपकारिता। शिक्षक के लिये व्यावसायिक आचार।

इकाई – ५ : राष्ट्रीय तथा वैश्विक विकास में मूल्य शिक्षा – राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय मूल्य, संवैधानिक मूल्य– जनतान्त्रिक, समाजवादी, धर्मनिरपेक्षता, समानता,न्याय, स्वतन्त्रता तथा बन्धुत्व। राष्ट्रीय एकीकरण तथा अन्तर्राष्ट्रीय सद्भावना के विकास में मूल्यपरक शिक्षा की भूमिका।

25 अंक

सत्रीय कार्य – कोई दो

१. पाठ्य–पुस्तकों में निहित मूल्यों का विश्लेषण आधारित प्रस्तुतीकरण.
२. मूल्य सम्बन्धित ग्रन्थावलोकन आधारित प्रस्तुतीकरण
३. भूमिका निर्वहन मूल्य आधारित समस्याओं पर

अध्येय ग्रन्थ–

1. पाण्डेय, के.पी., (2005)शिक्षा के दार्शनिक एवं सामाजिक आधार, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
2. जैश्री, मूल्य, (2008) पर्यावरण और मानव अधिकार की शिक्षा ,शिप्रा प्रकाशन, द्वितीय संस्करण, नई दिल्ली।
3. गुप्त, नत्थूलाल, (2005) मूल्यपरक शिक्षा और समाज, नमन प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. चतुर्वेदी, रश्मि, खण्डाई, हेमन्त, (2011) मूल्य शिक्षा, ए.पी. एच. पब्लिशिंग कारपोरेशन, नई दिल्ली।
5. झा, नागेन्द्र, (2012) प्राचीन एवं अर्वाचीन शिक्षा पद्धति, अभिषेक प्रकाशन, पीतमपुरा।
6. पाठक, आर.पी.,(2011) प्राचीन भारतीय शिक्षा, कनिष्का प्रकाशन, अंसारी रोड, दरियागंज,नई दिल्ली
7. पाठक, पी.डी. (1995) शिक्षा सिद्धान्त विनोद पुस्तक मंदिर आगरा(उ.प्र.)
8. डागर वी.एस.(1990) भारतीय समाज और मानव मूल्य, हरियाणा हिन्दी ग्रन्थ अकादमी चण्डीगढ

सत्यापित
VERIFIED

कुलसचिव / Registrar
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

9. पाठक, आर.पी. एवं भारद्वाज अमिता पाण्डेय (2012) भारतीय समाज में शिक्षा का उदयीमान परिदृश्य कनिष्का प्रकाशन, अंसारी रोड, दरियागंज,नई दिल्ली।
10.पाण्डेय, रामशकल (1990) मूल्य शिक्षा शास्त्र, आर. लाल बुक डिपो मेरठ (उ.प्र.)
11.शर्मा, आर.ए.(2000) मानव मूल्य एवं शिक्षा, आर. लाल बुक डिपो मेरठ (उ.प्र.)

13. योग, स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा

(Yoga, Health & Physical Education)

कोर्स कोड = 163
क्रिन्यान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह

कुल क्रेडिटस = 04
कुल अंक = 100

उद्देश्य (Objectives) –

– योग शिक्षा की अवधारणा से अवगत कराते हुए योग की विभिन्न पद्धतियों का ज्ञान कराना।
– बालकों को योगासन, प्राणायाम के महत्त्व को बताते हुए योगसाधना और योग चिकित्सा के महत्त्व से परिचित कराना
– अच्छे स्वास्थ्य हेतु संतुलित भोजन तथा व्यायाम की आवश्यकता और उपयोगिता से अवगत कराना।
– शारीरिक शिक्षा की अवधारणा से अवगत कराते हुए उसके मनोवैज्ञानिक पक्षों से परिचित कराना।
– विद्यालयों में शारीरिक शिक्षा के विविध आयामों से परिचित कराना।

75 अंक

पाठ्य–वस्तु (Course Content)

इकाई – १: भारत में योग परम्परा – अवधारणा, योग शिक्षा की आवश्यकता तथा विविध आयाम । योग की विभिन्न पद्धतियां : ज्ञान योग, भक्ति योग, कर्मयोग, मानवजीवन में इनका उपयोग तथा महत्त्व। भारतीय दर्शन में सांख्ययोग – परिचय, मन, बुद्धि, चित्त, अंहकार का स्वरूप और महत्त्व,

इकाई –२: योगासन एवं प्राणायाम– आसन, प्राणायाम स्वरूप, प्रकार, प्रक्रिया एवं महत्त्व। योग साधना और योग चिकित्सा का जीवन में महत्त्व।

इकाई-३: स्वास्थ्य शिक्षा: अवधारणा, शरीर रचना एवं क्रियाविधि, अच्छे स्वास्थ्य हेतु भोजन का महत्व, भोजन के पोषकतत्वों के कार्य तथा कुपोषण, आमिष एवं निरामिष भोजन, भोजन के मुख्य तत्त्व, संतुलित आहार। विभिन्न प्रकार के व्यायामों तथा आसनों का स्वास्थ्य के सन्दर्भ में महत्व। आसन सम्बन्धी विकृतियां एवं कारण, निराकरण एवं उपचार।

इकाई-४: शारीरिक शिक्षा : अवधारणा, उद्देश्य, महत्त्व एवं क्षेत्र, शारीरिक शिक्षा की आवश्यकता तथा सम्पूर्ण शैक्षिक प्रक्रिया में शारीरिक शिक्षा का स्थान। शारीरिक शिक्षा का विद्यालयों में प्रसंगौचित्य एवं मनोवैज्ञानिक पक्ष- खेल मनोविज्ञान, खेलों में उपलब्धि तथा अभिप्रेरणा, रूचियां तथा अभिवृत्ति, शिक्षक - छात्र संबंध, खेलभावना तथा आचार संहिता।

इकाई-५: विद्यालयों में शारीरिक शिक्षा : विद्यालयों में खेल - प्रकार (व्यक्तिगत तथा सामूहिक खेल) तथा उनके सामान्य नियम, महत्त्व तथा विद्यालयीय, अन्तर विद्यालयीय, अन्तर वर्गीय, अन्तर सदन, अन्तर विभागीय स्तर पर तथा वार्षिक खेल-कूद प्रतियोगिताओं का आयोजन एवं महत्त्व।

25 अंक

सत्रीय कार्य– निम्नलिखित में से कोई दो।

१. मानव के शारीरिक एवं मानसिक विकास में योग का महत्त्व
२. योगासन एवं प्राणायाम पर आधारित प्रस्तुतियाँ।
३. सन्तुलित भोजन सम्बन्धित विविध सामग्रियों पर परियोजना कार्य।
४. विभिन्न आसनों, व्यायामों के चित्र एकत्र करना। चित्र, माडल निर्माण एवं प्रस्तुतीकरण।
५. शारीरिक शिक्षा कार्यक्रम का प्रतिवेदन तैयार करना।

सत्यापित
VERIFIED

कुलसचिव / Registrar
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

अध्ययन हेतु संदर्भ ग्रन्थ

१. पुरूषार्थी, योगेन्द्र, (1995) वेदो में योग विद्या,महर्षि वेद विद्या प्रतिष्ठान उज्जैन (म.प्र.)
२. आत्रेय, शान्ति प्रकाश, योग मनोविज्ञान
३. मुखर्जी, विश्वनाथ, (1990) भारत के महान योगी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी (उ.प्र.)
४. शास्त्री, विजयपाल, (2007) पातजंल योग विमर्श, चौखम्बा वाराणसी (उ.प्र.)

15. V मानवाधिकार शिक्षा
(Human Rights Education)

कोर्स कोड = 165 (v) | कुल क्रेडिटस = 04
क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह | कुल अंक = 100

उद्देश्य (Objectives) –

- भारत में मानवाधिकारों की अवधारणा से परिचित कराना।
- भारतीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में मानवाधिकारों के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना।
- विशिष्ट वर्गो के अधिकारों का अवबोध कराना।
- मानवाधिकारों के सन्दर्भ में राजकीय एवं राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोगों की भूमिका तथा कार्यप्रणाली से परिचितकराना।
- मानवाधिकार के लिए कार्यरत विभिन्न संस्थाओं की भूमिका से अवगत कराना।

पाठ्य–वस्तु (Content) — 75 अंक

इकाई – १ : मानवाधिकार – अवधारणा, आवश्यकता, उद्देश्य तथा मानवाधिकारों का विकास।

इकाई – २ : भारतीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में मानवाधिकार – मानवाधिकार सार्वभौमिक घोषणापत्र का परिचय, संविधान में वर्णित अधिकार–समानता,शिक्षा, जीवन, स्वतत्रंता तथा सम्मान, सामाजिक तथा आर्थिक अधिकार एवं कर्तव्य।

इकाई – ३ : विशिष्ट वर्गों के अधिकार – बालकों तथा सुविधा वंचित वर्गों के अधिकार।

इकाई – ४ : भारत में मानवाधिकार सम्बन्धित प्रयास – राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, राज्य स्तरीय मानवाधिकार आयोग, बाल आयोग का संक्षिप्त परिचय व कार्यप्रणाली।

इकाई – ५ : मानवाधिकार के लिए कार्यरत विभिन्न संस्थाएं – यू.एन.ओ., जनसंचार के माध्यम, स्वयं सेवी संस्थाएं।

सत्रीय कार्य – कोई दो — 25 अंक

१. संविधान में वर्णित मानवाधिकारों के प्रति जागरूकता पर आधारित प्रस्तुतीकरण
२. स्वयं सेवी संस्थाओं की मानवाधिकार जागरूकता में भूमिका
३. जनसंचार माध्यमों की मानवाधिकार जागरूकता में भूमिका पर आधारित प्रस्तुतीकरण
४. विषय सम्बन्धित Slogans का एकत्रीकरण तथा प्रस्तुतीकरण

संदर्भ ग्रंथ सूची–

१. गुप्त नत्थूलाल, (२००५) मूल्यपरक शिक्षा और समाज, नमन प्रकाशन दिल्ली
२. मौर्या गीता, (२०११) मानव अधिकार, अनुभव पब्लिशिंग हाउस, इलाहाबाद,
३. हूडा राम निवास, (२००८) मानव अधिकार शिक्षा, के.एस. के. पब्लिशर्स एवं डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली
४. पाठक, आर.पी. एवं भारद्वाज अमिता पाण्डेय (2012) भारतीय समाज में शिक्षा का उदयीमान परिदृश्य, कनिष्का प्रकाशन,नई दिल्ली।
5. शास्त्री हनीफ खान(1995) वेदों में मानव अधिकार, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली।
Kaul, Anjana, (2011) Human Rights Education, APH Publishing Corporation, New Delhi
Bhatt, Savita, Dalits, (2011) Tribals and Human Rights, Adhyayan, Publishers & Distributors, New Delhi

सत्यापित
VERIFIED

****

कुलसचिव / Registrar
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

प्रश्नपत्र - 4 शैक्षिक प्रौद्योगिकी
(Educational Technology)

कोर्स कोड = 204 | कुल क्रेडिट्स = 04
क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह | कुल अंक = 100

उद्देश्य :

- शैक्षिक प्रौद्योगिकी की अवधारणा के सम्प्रत्यय, प्रकार एवं उपागमों से अवगत कराना।
- शैक्षिक सम्प्रेषण के सम्प्रत्यय एवं विभिन्न विधियों से अवगत कराना।
- अनुदेशनात्मक प्रणालियों के उद्देश्यों एवं अभिकल्पन से अवगत कराना।
- महत्त्वपूर्ण शिक्षण प्रतिमानों और सिद्धान्तों से अवगत कराना।
- अभिक्रमित अधिगम की अवधारणा, सिद्धान्त, प्रकार और निर्माण प्रक्रिया से अवगत कराना।
- शिक्षण अधिगम प्रबन्धन के चार घटक-नियोजन,संगठन, अग्रसरण एवं नियत्रंण में अन्तर्दृष्टि विकसित करना।
- शिक्षण के प्रतिमान एवं सिद्धान्तों की सम्प्रत्यात्मक अवधारणा एवं प्रकारों से परिचित करना।
- अभिक्रमित अधिगम की अवधारण एवं विकास की अवस्थाओं में अवबोध विकसित करना।
- व्यवस्थित प्रेक्षण विधियों द्वारा शिक्षण व्यवहार का विशलेषण करने की दक्षता का विकास करना।

पाठ्य–वस्तु (Content) **75 अंक**

इकाई — १ : शैक्षिक प्रौद्योगिकी - अभिप्राय, प्रकृति, उद्देश्य, उपागम एवं क्षेत्र, ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य, अवधारणा, उद्देश्य एवं क्षेत्र। प्रोडक्ट टेक्नोलॉजी एवं आइडिया टेक्नोलॉजी : दोंनों में समन्वय। वर्तमान संदर्भ में शैक्षिक प्रौद्योगिकी- टेलीकान्फ्रेसिंग (ऑडियो एवं विडियो), एडूसेट, सम्प्रेषण एवं सूचना प्रौद्योगिकी (ICT) एवं इसका शिक्षण-अधिगम परिस्थितियों में अनुप्रयोग। ई-**अधिगम की अवधारणा।** शैक्षिक सम्प्रेषण- अवधारणा, अवयव, प्रक्रिया, अवरोधक तत्त्वों को न्यून बनाने के उपाय तथा मल्टी मीडिया की अवधारणा एवं प्रयोग। ई-अधिगम- अवधारणा, विशेषताएं, प्रारूप, शैलियाँ लाभ एवं सीमाएं।

इकाई — २ : शिक्षण अधिगम का प्रबन्धन : नियोजन- कार्य विश्लेषण, प्रशिक्षण एवं अधिगम की आवश्यकताओं को पहचानना और शैक्षिक उद्देश्यों का प्रतिपादन। **संगठन**- उपयुक्त युक्तियों कक्षा आकार एवं सम्प्रेषण व्यूहरचना का चयन। **अग्रसरण**- अग्रसरण हेतु अभिप्रेरण का अनुप्रयोग और उपयुक्त रचना कौशल का चयन। **नियत्रंण**- अधिगम प्रणाली का मूल्यांकन, मापन एवं उद्देश्य।

इकाई — ३ : शिक्षण सिद्धान्त एवं प्रतिमान- प्रतिमान एवं सिद्धान्त की अवधारणा में मुख्य अन्तर। शिक्षण के सिद्धान्त - धात्री सिद्धान्त, सम्प्रेषण सिद्धान्त, ढलाई का सिद्धान्त, परस्पर पृच्छा सिद्धान्त (विशेषताएं, सीमाएं एवं शैक्षिक निहितार्थ के सन्दर्भ में)।

शिक्षण के प्रतिमान- अवधारणा एवं आधारभूत तत्त्व। कुछ चयनित शिक्षण प्रतिमान - विकासात्मक प्रतिमान (पियाजे), एडवान्स आरगनाईजर (ऑसवेल), पृच्छा प्रशिक्षण प्रतिमान (सचमैन), शिक्षक

सत्यापित
VERIFIED

कुलसचिव / Registrar
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

प्रशिक्षक प्रतिमान (हिल्डा टाबा) के अवयव, विशेषताएँ, सीमाएँ एवं शैक्षिक निहितार्थं तथा प्रत्येक शिक्षणप्रतिमान पर आधारित पाठ योजना।

इकाई - ४ : अभिक्रम-अधिगम की तकनालाजी - अभिक्रमित अधिगम की अवधारणा तथा ऐतिहासिक विकास। अभिक्रमित अधिगम के सिद्धान्त एवं प्रकार (रेखीय, शाखीय तथा मैथेटिक्स), कम्प्यूटर सहायक अनुदेशन।

अभिक्रम विकास की अवस्थाएं- (i) अभिक्रम नियोजन-प्रकरण चयन,विषय वस्तु विश्लेषण, अधिगमकर्त्ता की मान्यताएं, उद्देश्य लेखन, पूर्व अपेक्षित कौशल एवं निकष परख निर्माण।

(ii) अभिक्रम लेखन-अभिक्रम के संरचनात्मक एवं प्रकार्यात्मक तत्व, पद लेखन, एवं अनुक्रम, अभिक्रम संपादन एवं संशोधन।

(iii) अभिक्रम परीक्षण - व्यक्तिगत, लघुसमूह और क्षेत्र परीक्षण।

(iv) अभिक्रम का मूल्याकंन - त्रुटि दर, सूचना घनत्व, अनुक्रम प्रगमन और 90/90 मानक स्तर।

इकाई - ५ शिक्षण व्यवहार विश्लेषण एवं आशोधन- शिक्षण व्यवहार की अवधारणा, विशेषतायें, क्षेत्र एवं नवीन प्रवृत्तियाँ। शिक्षण व्यवहार का व्यवस्थित प्रेक्षण- युक्तियाँ एवं उनका अनुप्रयोग (फ्लैण्डर का अन्तर्क्रिया विश्लेषण श्रेणियाँ - FIAC, ओबर्स की पारस्परिक अनुवर्ग विधि - RCS, बेन्टले और मिलर की समकक्ष वार्ता श्रेणी विधि-ETC) के सन्दर्भ में। व्यवस्थित प्रेक्षण से प्राप्त प्रदत्तों का आधात्री निर्माण एवं विश्लेषण (FIAC;RCS एवं ETC के सन्दर्भ में)। शिक्षण व्यवहार आशोधन में व्यवस्थित प्रेक्षण विधि का अनुप्रयोग, प्रतिपुष्टि एवं अपेक्षित शिक्षण व्यवहार सृजन। कम्प्यूटर अनुप्रयोग द्वारा शिक्षण व्यवहार आशोधन- किसी शैक्षिक कार्य में MS Word का प्रयोग (दत्तकार्य, शोध पत्र आदि के सन्दर्भ में), किसी विद्यालयीय शिक्षण पाठ का पावर पाइन्ट निर्माण एवं प्रस्तुति, किसी प्रशासनिक कार्य में MS- Excel का प्रयोग (समय सारिणी, उपस्थिति एवं छात्र उपलब्धियों के रिकॉर्ड के सन्दर्भ में) एवं किसी शैक्षिक सूचना को इन्टरनेट के माध्यम से अधिगम्य बनाना।

सत्रीय कार्य : निम्नलिखित में से कोई दो **25 अंक**

1. शिक्षण प्रतिमानों पर आधारित पाठयोजना निर्माण।
2. रेखीय अभिक्रम निर्माण (किसी विद्यालयीय विषय पर)।
3. किसी व्यवस्थित प्रेक्षण विधि का प्रयोग द्वारा शिक्षण व्यवहार विश्लेषण एवं आशोधन।
4. पावर पाइन्ट प्रस्तुति निर्माण एवं प्रस्तुतिकरण (किसी विद्यालयीय विषय पर)।
5. इन्टरनेट द्वारा किसी शैक्षिक सम्प्रत्यय से सम्बन्धित सूचना डाउनलोड करना।

अध्येय ग्रन्थ–

1. मिश्र, करूणा शंकर, (1995) शिक्षण में नवचिन्तन, संज्ञानालय, कानपुर, उ.प्र.।
2. पाण्डेय, के.पी., (1992)अभिक्रमित अधिगमन की टेकनालॉजी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, चौक वाराणसी, उ.प्र.।
3. पाठक, आर.पी.(2011) शैक्षिक प्रौद्योगिकी, पियर्सन एजुकेशन, नई दिल्ली।

सत्यापित
VERIFIED

कुलसचिव / Registrar
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

4. पाठक, आर.पी. एवं भारद्वाज, अमिता पाण्डेय, (2012) शैक्षिक प्रौद्योगिकी एवं क्रियात्मक अनुसंधान, कनिष्का प्रकाशन, नई दिल्ली।

5. शर्मा,आर. ए.(2002)) शिक्षा के तकनीकी आधार, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ, उ.प्र.।

6. भटनागर. ए.बी. (2000)) शैक्षिक तकनीकी एवं प्रबन्धन, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ, उ.प्र.।

7. सक्सेना, एन.आर. स्वरूप (2006)) शिक्षण की तकनीकी, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ, उ.प्र.।

8. शर्मा,आर. ए.(2010))सूचना सम्प्रेषण एवं शैक्षिक तकनीकी, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ, उ.प्र.।

9. शर्मा,आर. ए.(2005)) शिक्षणशास्त्र के मूल तत्व, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ, उ.प्र.।

10. पाठक, आर.पी.(2014) शैक्षिक तकनीकी के आयाम, विकास पब्लिशर्स, नई दिल्ली।

11. Pandey,K.P., (1997) Modern Concepts of Teaching Behaviour, Anamika Publications, New Delhi.

12. K. Sampat and et.all, (1990) Education Technology Sterling Publishing Pvt.Ltd., New Delhi.

13. Bruner, J.S., (1980) Towards Theory of Instruction, Mass Hardward University Press, Cambridge.

14. Singh, L.C. (1990) Microteaching, Bhargava Book Depot, Agra. U.P.

15. Allen And Ryan, (1985) Microteaching, Addison Wesley, New York.

16. Shelter, P A (1980) History of Instructional Technology, Megran, New York.

17. Bruce Joyce and Marsha Weil, (1975) Models of Teaching, Prentice Hall of India. New Delhi.

18. Passi B.K., (1985) Becoming Better Teacher, Sahitya Mudranalaya, Ahmadabad.

19. Pathak,R.P.,(2010) : Educational Technology : Pearson Education New Delhi.

सत्यापित
VERIFIED

कुलसचिव / Registrar
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

10. दूबे, रमाकांत (1979), शैक्षिक एवं व्यांवसायिक निर्देशन के मूल सिद्धान्त, राजेश पब्लिशिंग हाउस, मेरठ, (उ.प्र.)।
12. पाण्डेय, के.पी., एवं भारद्वाज, अमिता पाण्डेय, (2003) शैक्षिक एवं व्यावसायिक निर्देशन विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा, (उ.प्र.)।

प्रश्नपत्र - 8 - III पर्यावरण शिक्षा
(Environment Education)

कोर्स कोड = 224 (iii) कुल क्रेडिटस = 04

क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह कुल अंक = 100

उद्देश्य

- पर्यावरणीय विकृतियों से जनित समस्याओं के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना।
- पर्यावरण सुरक्षा के उपायों के बारे में जागरूकता लाना।
- पर्यावरण के कुशल प्रबन्धन हेतु युक्तियों एवं हस्तक्षेपों के बारे में कुशलता विकसित करना।
- राष्ट्रिय एवं वैश्विक संदर्भ में पर्यावरण की गुणवत्ता के आयामों के प्रति सजग दृष्टि विकसित करना।

पाठ्य—वस्तु (Content) **75 अंक**

इकाई - १ : पर्यावरण शिक्षा- परिचय (प्राचीन एवं वर्तमान संदर्भ में), अभिप्राय, महत्त्व, क्षेत्र, उद्देश्यं, प्रभावित करने वाल कारक। भारत में पर्यावरण शिक्षा मानव एवं पर्यावरण संबंध- पारिस्थिक एवं मनोविज्ञान के परिप्रेक्ष्य में। पर्यावरण शिक्षा के संदर्भ में शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों की भूमिका।

इकाई - २: पर्यावरण एवं परितंत्र - पर्यावरण एवं परितंत्र। पर्यावरण - अर्थ एवं प्रकार। परितंत्र - संप्रत्यय, प्रकार एवं घटक, प्रकृति, मानव एवं प्रौद्योगिकी। पर्यावरणीय प्रदूषण- मृदा, वायु,जल, नाभिकीय, ध्वनि मनोवैज्ञानिक एवं सामाजिक पर्यावरण, प्रदूषण के कारण, प्रभाव एवं निवारण के उपाय। पर्यावरणीय संकट- विलुप्त प्रजातियां, मृदा अपरदन, वन उन्मूलन।

इकाई - ३: शिक्षण विधियाँ एवं संसाधन- व्याख्यान, परिचर्चा, परियोजना, प्रदर्शन, अनुरूपण, रोल अभिनय, सेमिनार, कार्यशाला, समस्या समाधान, संवाद, प्रदर्शनी, क्षेत्र-सर्वेक्षण। संसाधन-विद्यालय, स्थानीय संसाधन, दृश्य-श्रव्य सामग्री, संग्रहालय, सरकारी एवं स्वयं सेवी संस्थाएँ, पर्यावरण शिक्षा में जन संचार साधनों की भूमिका।

इकाई - ४ : पाठ्यक्रम, कार्यक्रम एवं परियोजनाएँ- पाठ्यक्रम- प्रकृति, विशेषताएँ, कार्यक्रम - राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय, परियोजनाएँ- राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय, विभिन्न देशों की पर्यावरणीय परियोजनाओं का तुलनात्मक अध्ययन।

इकाई - ५: पर्यावरणीय प्रबन्धन एवं आचार संहिता- पर्यावरणीय प्रबन्धन - अवधारणा, उद्देश्य, महत्त्व। पर्यावरणीय प्रबन्ध के पक्ष, आधार तथा उपागम। वायु, जल एवं मृदा प्रबन्धन। पर्यावरणीय आचार संहिता संप्रत्यय, महत्व।

सत्यापित
VERIFIED

कुलसचिव / Registrar
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

7.Bhat, B.D. & Sharma, S.R (1992) Principles of Curriculum Construcation. Kanishka Publication House, New Delhi.

संस्था सम्बद्धता

(Institution Attachment)

कोर्स कोड = 243

कुल क्रेडिटस = 08
कुल अंक = 200

कोर्स कोड	कोर्स का नाम	अवधि	अंक
243 - i	**संस्था सम्बद्धता** अध्यापक शिक्षा संस्थागत सम्बद्धता (Teacher Eduction Institutional Attachment)	4 Weeks	100
243 - ii	**संस्था सम्बद्धता** विशेषज्ञता आधारित संस्थागत सम्बद्धता (Specialization based Institutional Attachment)	4 Weeks	100

दोनों संस्थागत सम्बद्धता हेतु पाठ्यक्रमीय क्रियायें
(१०० अंक/ संस्था सम्बद्धता)

क्र.सं.	पाठ्यक्रमीय क्रियायें	अंक
(i)	स्थानबद्ध संस्था से सम्बन्धित अनुभवों का प्रेक्षण अभिलेख निर्माण एवं प्रस्तुतिकरण प्रति सप्ताह।	20 (5+5+5+5)
(ii)	स्थानबद्ध संस्था का पार्श्वचित्र निर्माण। (अन्त में)	20
(iii)	स्थानबद्ध संस्था की गतिविधियों एवं कार्यक्रमों पर आधारित आख्या प्रतिवेदन निर्माण एवं प्रस्तुति। (अन्त में)	20 (15+5)
(iv)	स्थानबद्ध संस्था के प्रशासनिक ढाँचे एवं कार्य प्रणाली पर प्रतिवेदन एवं प्रस्तुति। (अन्त में)	20 (15+5)
(v)	स्थानबद्ध संस्था के अनुभवों पर आधारित विमर्शी प्रतिवेदन एवं प्रस्तुति। (अन्त में)	20 (15+5)

सत्यापित
VERIFIED

कुलसचिव / Registrar
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

प्रश्नपत्र - 12 - I मूल्य शिक्षा
(Value Education)

कोर्स कोड = 262 (i) कुल क्रेडिटस = 04

क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह कुल अंक = 100

उद्देश्य

- भारतीय संस्कृति एवं परम्परा में अधिमान्य मूल्यों की निर्धारण प्रक्रिया के प्रति संवदेनशीलता विकसित करना।
- भारतीय वाङ्मय में मूल्यों तथा मूल्य निर्धारण के मानकों का आधुनिक संदर्भ में उपयोग के प्रति अभिप्रेरित करना।
- भारतीय संविधान में निहित मूल्यों के संवर्धन हेतु आपेक्षित कौशलों का विकास करना।

पाठ्य–वस्तु (Content) **75 अंक**

इकाई १ : मूल्य शिक्षा- स्वरूप, उद्देश्य तथा विकास, मानवीय मूल्यों की अवधारणा (भारतीय तथा पाश्चात्य सन्दर्भ में) आवश्यकता, उद्देश्य तथा महत्व, मूल्यपरक शिक्षा का विकास, विभिन्न आयोगों एवं समितियों की संस्तुतियाँ। मूल्यों का वर्गीकरण-शैक्षिक, संवैधानिक, सामाजिक, नैतिक तथा आध्यात्मिक मूल्य, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् (NCERT) के अनुसार मूल्य सूची, सार्वभौमिक मूल्य।

इकाई २ : मूल्यों के सोत्र- संवैधानिक सोत्र (हमारे संविधान की प्रस्तावना, शिक्षा सम्बन्धी संवैधानिक प्रावधान, संविधान के माध्यम से मूल्यों का विकास) धार्मिक सोत्र (धार्मिक मूल्य, धर्म के माध्यम से मूल्यों का विकास)

इकाई ३ : नैतिक शिक्षा- भारतीय सन्दर्भ - पुरूषार्थ, पंचकोश, सत्चित् आनन्द, धार्मिक तथा नैतिक आचरण एवं आधार संहिता से तात्पर्य, राष्ट्रीय एकता के लिये नैतिक शिक्षा।

इकाई ४ : मूल्य शिक्षा की विधियाँ- परोक्ष मूल्य सूचक (लक्ष्य, आकांक्षाएं, अभिवृत्तियाँ, रूचियाँ, भावनाएं, विश्वास व दृढ धारणाएं, क्रियाएं, चिन्ताएं, बाधाएं) भाषा शिक्षण द्वारा मूल्यों की शिक्षा, प्रत्यक्ष मूल्य शिक्षण की विधियाँ - पाठ्यसहगामी क्रियाओं द्वारा मूल्यशिक्षा, मूल्य शिक्षा की एकीकरण विधियाँ- भूमिका निर्वहन विधि, अनुरूपीकरण, मूल्य स्पष्टीकरण विधि, कहानी प्रस्तुतीकरण विधि, मूल्य विश्लेषण विधि, चर्चा विधि और जीवनी पठन विधि।

इकाई ५ : राष्ट्रीय एकता के लिये मूल्य परक शिक्षा- राष्ट्रीय एकता की अवधारणा, आवश्यकता, स्वरूप, नीतियाँ एवं कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में कठिनाइयाँ। राष्ट्रीय एकीकरण तथा अन्तर्राष्ट्रीय सद्भावना के विकास में मूल्यपरक शिक्षा की भूमिका। विद्यालयों के विभिन्न स्तरों के लिये मूल्य शिक्षा पाठ्यक्रम, उद्देश्य, पाठ्यवस्तु एवं चयन के नियम। पटेल समिति के सुझाव। मूल्य शिक्षा का अन्य विषयों से सम्बन्ध। वर्तमान पाठ्यक्रम में मूल्य शिक्षा का स्थान।

सत्यापित VERIFIED

कुलसचिव / Registrar
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

सत्रीय कार्य- निम्नलिखित में से कोई दो **25 अंक**

1. विद्यालयी कार्यक्रमों एवं गतिविधियों में समाहित मूल्यों का विश्लेषण–कतिपय चयनित विद्यालयों के सन्दर्भ में।
2. भारतीय वाङ्मय में निहित मूल्यों का वर्तमान संदर्भ में निहितार्थ आधारित संगोष्ठी एवं प्रतिवेदन निर्माण।
3. विद्यालयों में प्रवर्तित क्रियाकलापों एवं गतिविधियों के अन्तर्गत मूल्यपरक दृष्टि विकसित करने के प्रयासों का व्यष्टि अध्ययन।
4. मूल्य आधारित शिविरों एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों की रूपरेखा विकसित करना।

अध्येय ग्रन्थ–

1. पाण्डेय, के.पी., (2005)शिक्षा के दार्शनिक एवं सामाजिक आधार, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
2. जैश्री, मूल्य, (2008) पर्यावरण और मानव अधिकार की शिक्षा ,शिप्रा प्रकाशन, द्वितीय संस्करण, नई दिल्ली।
3. गुप्त, नत्थूलाल, (2005) मूल्यपरक शिक्षा और समाज, नमन प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. चतुर्वेदी, रश्मि, खण्डाई, हेमन्त, (2011) मूल्य शिक्षा, ए.पी. एच. पब्लिशिंग कारपोरेशन, नई दिल्ली।
5. झा, नागेन्द्र, (2012) प्राचीन एवं अर्वाचीन शिक्षा पद्धति, अभिषेक प्रकाशन, पीतमपुरा।
6. पाठक, आर.पी.,(2011) प्राचीन भारतीय शिक्षा, कनिष्का प्रकाशन, अंसारी रोड, दरियागंज,नई दिल्ली।
7. पाण्डेय, रामशकल (2005) मूल्य शिक्षा के परिप्रेक्ष्य, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ,उ.प्र.।
8. शर्मा, आर.ए. (2002) मानव मूल्य एवं शिक्षा, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ,उ.प्र.।
9. डागर, बी.एम. (1995) मूल्य शिक्षा, हरियाणा हिन्दी ग्रन्थ एकादमी, चंडीगढ।

सत्यापित
VERIFIED

कुलसचिव / Registrar
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

प्रश्नपत्र – 12 - II योग शिक्षा
(Yoga Education)

कोर्स कोड = 262 (ii)
क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह

कुल क्रेडिटस = 04
कुल अंक = 100

उद्देश्य

- योगदर्शन के तत्त्वमीमांसकीय आधारों से परिचित कराना।
- शारीरिक एवं मानसिक समन्वय द्वारा आध्यात्मिक उपलब्धि में योग की प्रासंगिकता का ज्ञान कराना।
- बहु आयामी व्यक्तित्व के निर्माण में योग का सामाजिक–मनोवैज्ञानिक आधार स्पष्ट करना।
- योग की वैज्ञानिकता एवं उपशामक क्षमता का परिज्ञान कराना।

पाठ्य–वस्तु (Content) **75 अंक**

इकाई १ : योग तत्त्वमीमांसकीय आधार– पुरुष की अवधारणा, ब्राह्मण्ड की वास्तविकता। प्रकृति एवं मौलिक तत्त्व के रूप में। सर्ग की अवधारणा एवं प्रक्रिया। बुद्धि (महत) और अहंकार की अवधारणा, प्रकृति, वैयक्तिक मौलिक तत्त्व के रूप में। अहंकार एवं गुणत्रयं– मन, कर्मेन्द्रियाँ और तन्मात्राएँ–ज्ञान की प्रकृति और प्राप्त करने की प्रक्रिया–प्राणायाम। योग का दर्शन, वैयक्तिक एवं सामाजिक अन्वय में संबन्ध– योग की अवधारणा, स्वस्थ और एकीकृत जीवन–यापन हेतु योग, मानव के सामाजिक–नैतिक उन्नयन हेतु योग। आध्यात्मिक विकास और जागरूकता हेतु योग।

इकाई २ : योग पद्धतियों के प्रकार–योगियों की विशेषताएँ– भारत में प्रचलित योग पद्धतियां, पतंजलि का अष्टाङ्ग योग, भगवद्गीता में ज्ञान, भक्ति और कर्म योग का स्वरूप।

इकाई ३ : योग का साधना प्रतिपद– यम–नियम–आसन–प्राणायाम–प्रत्याहार–धारणा–ध्यान और समाधि।

इकाई ४ : योग का वैज्ञानिक आधार– योग और मानसिक स्वास्थ्य। योगिक और जैविक पृष्ठपोषण। योग द्वारा उपशमन (उपचार), विभिन्न आसनों और उनके प्रभाव से शरीर और मन को स्वस्थ्य रखना। ध्यान और इसके द्वारा उपशमन (उपचार)।

इकाई ५ : योग अनुसंधान, एवं सुस्थित जीवन शैली– योगशिक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान की आवश्यकता, अनुसंधान के क्षेत्र अन्तर्विद्यापरक शोध की योगशिक्षा के क्षेत्र में प्रासंगिकता।

सत्रीय कार्य– निम्नलिखित में से कोई दो– **25 अंक**

1. अष्टांग योग पद्धति की प्रासंगिकता पर आधारित समूह परिचर्चा।
2. सुस्थिर जीवन शैली जिसमें सफल संमजन एवं तनाव प्रबन्धन सम्मिलित हो को दृष्टिगत रखते हुए विशिष्ट कार्यक्रम अभिकल्पित/प्रस्तावित करना।
3. योग शिक्षा का मानसिक स्वास्थ्य में योग दान पर कार्यशाला आयोजित करना।

सत्यापित
VERIFIED

अध्येय ग्रन्थ–

1. पंतन्जलि योग दर्शन
2. स्वामी अद्वैतानंद - योग विचार

कुलसचिव / Registrar
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

3. शुक्ला डॉ. - योग शिक्षा
4. सिलोडी, महेश प्रसाद (2008) योगामृतम्, मान्यता प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. सिलौडी, महेश प्रसाद (2013) योगामृतम् एवं सिद्धान्त अभिषेक प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. विश्नोई, उन्नति (2010) योग शिक्षा, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ,उ.प्र.।
7. वैद्य, कुमार राजेश एवं कुमार विजय (2008) योग शिक्षा एवं शारीरिक शिक्षा, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ,उ.प्र.।

प्रश्नपत्र - 12 - III प्राचीन शिक्षा का इतिहास एवं दर्शन
(Philosophy & History of Ancient Education)

कोर्स कोड = 262 (iii) — कुल क्रेडिटस = 04

क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह — कुल अंक = 100

उद्देश्य

- भारतीय शिक्षा के दार्शनिक एवं ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में शिक्षा की वर्तमान समस्याओं का समीक्षात्मक अवबोध विकसित कराना।
- भारतीय दर्शन में समाविष्ट पद्धतियों एवं मूल्यों का आधुनिक संदर्भ में निहितार्थों का अवलोकन करना।
- भारतीय वाङ्मय में चर्चित व्यवस्थाओं एवं मूल्यों का समीक्षात्मक अध्ययन करना।

पाठ्य–वस्तु (Content) — **75 अंक**

इकाई १ : प्राचीन भारतीय शिक्षा एवं दर्शन का उद्गम और विकास- वेद, उपनिषद् एवं अन्य प्राचीन भारतीय वाङ्मय के संदर्भ में। भारतीय दर्शन-ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में विभिन्न दार्शनिक सम्प्रदायों की दृष्टि। भारतीय दर्शन की समग्र दृष्टि-वैदिक, औपनिषदिक, न्याय वैशेषिक, सांख्य योग, वेदान्त, चार्वाक जैन, तथा बौद्ध।

इकाई २ : प्राचीन भारतीय शिक्षा और आध्यात्मिकता- प्राचीन भारतीय शिक्षा के परिवर्तनशील उद्देश्य। युगानुरूप मूल्यों के साथ सम्बद्धता। प्राचीन भारतीय शिक्षा के शैक्षिक संस्कार एवं उनकी प्रासंगिकता-समावर्तन, उपनयन आदि।

इकाई ३ : प्राचीन भारतीय शिक्षा के विभिन्न आयाम- शिक्षक स्वरूप, दायित्व, शिक्षक-शिक्षार्थी सम्बन्ध, पाठ्यक्रम, शिक्षणविधि।

इकाई ४ : प्राचीन भारतीय शिक्षा में विविधता व्यावसायिक शिक्षा, स्त्री शिक्षा, कला शिक्षा, विज्ञान की शिक्षा, व्यवसायिक शिक्षा आयुर्वेद ज्योतिष एवं पौरोहित्य के विशेष सन्दर्भ में। प्राचीन भारतीय शिक्षादर्शन की सामाजिक अवधारणा-वर्णाश्रम का स्वरूप, शिक्षा पर प्रभाव (विभिन्न स्मृतियों के सन्दर्भ में)।

सत्यापित VERIFIED

कुलसचिव
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

प्रश्नपत्र - 12 - IV मानवाधिकार शिक्षा
(Human Rights Education)

कोर्स कोड = 262 (iv) | कुल क्रेडिटस = 04

क्रिन्यान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह | कुल अंक = 100

उद्देश्य

- मानवाधिकार शिक्षा की अवधारणा एवं आवश्यकता से परिचित कराना।
- भारत में मानवाधिकारों के विकास तथा संविधान में वर्णित अधिकारों का ज्ञान कराना।
- मानवाधिकार शिक्षण की विभिन्न विधियों से परिचित कराकर उनके प्रयोग में सक्षम बनाना।
- मानवाधिकार शिक्षा में विभिन्न संस्थाओं तथा संसाधनों की भूमिका से अवगत कराना।

पाठ्य–वस्तु (Content) 75 अंक

इकाई १ : मानवाधिकार शिक्षा तथा विकास- अवधारणा (भारतीय तथा पाश्चात्य सन्दर्भ में) आवश्यकता, उद्देश्य तथा महत्त्व, मानवाधिकारों का विकास। मानवाधिकार सार्वभौमिक घोषणा पत्र तथा मानवाधिकार सम्मेलन- मानवाधिकार सार्वभौमिक घोषणा पत्र में वर्णित अधिकार-समानता, शिक्षा, जीवन, स्वतंन्त्रता तथा सम्मान, आर्थिक, राजनैतिक तथा सामाजिक अधिकार, प्रमुख मानवाधिकार सम्मेलनों (conventions) का परिचय तथा उनके द्वारा किये गये मानवाधिकार संरक्षण के प्रयास।

इकाई २ : भारत में मानवाधिकार- भारत में मानवाधिकारों का विकास, ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य, संविधान में वर्णित मूलभूत अधिकार तथा नीति निर्देशक सिद्धान्त।

इकाई ३ : विशिष्ट वर्गों के मानवाधिकार - बालकों के शोषण के विरूद्ध अधिकार, अल्पसंख्यकों, महिलाओं तथा सुविधा वंचित वर्गो के अधिकार।

इकाई ४ : मानवाधिकार शिक्षण की विधियाँ तथा व्यूहरचनायें - भूमिका निर्वाह, अनुरूपण, व्यक्तिवृत्त अध्ययन, वाद-विवाद, मस्तिष्क मंथन, मूल्य स्पष्टीकरण।

इकाई ५ : भारत में मानवाधिकार के सम्बन्ध में किये गये प्रयास तथा कार्यरत विभिन्न संस्थाएं एवं संसाधन- राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, राज्य स्तरीय मानवाधिकार आयोग तथा महिला आयोग के कार्य, बालश्रम कानून आदि। अन्तर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय संस्थाएँ-यू.एन.ओ., स्वयंसेवी संस्थाएँ, जनसंचार के माध्यम, इन्टरनेट आदि।

सत्यापित VERIFIED

सत्रीय कार्य- निम्नलिखित में से कोई दो- 25 अंक

1. अल्पसंख्यकों, महिलाओं तथा सुविधावंचित वर्गो में से किन्हीं एक पर परिचर्चा।
2. मानवाधिकार से आहत संवर्गो को दृष्टिगत रखते हुए व्यष्टि अध्ययन करना
3. मानवाधिकार के प्रति जागरूकता विकसित करने हेतु संगोष्टी का आयोजन करना।

कुलसचिव / Registrar
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

		15	1

AECC-2 AE-ES-25	पाठ्यग्रन्थः- **पर्यावरण विज्ञानम्**	**पूर्णाङ्काः** 100	**क्रेडिट** 06
इकाई	पाठ्यविषयाः	**अङ्काः**	**क्रेडिट**
1	**पर्यावरणस्य बहूद्देश्यीयं स्वरूपम्** क) पर्यावरणस्य परिभाषा ख) पर्यावरणस्य क्षेत्रम् ग) पर्यावरणस्य उपादेयता घ) पर्यावरणसंरक्षणाय समाजस्य कर्तव्यावबोधनम्।	20	2
2	**प्राकृतिकसंसाधनानि, तत्सम्बद्धाः समस्याश्च, शाश्वतसंसाधनानि, सामयिकसंसाधनानि।** **क) वनसंसाधनम्-** सीमाया अधिक उपयोगः, सीमाया दुरुपयोगः, वनस्य अनधिकृतं कर्तनम्, बहुमूल्यस्य काष्ठस्य, आहरणम् वनसमीपवर्तिभूमेः खननम्, वनानां तटबन्धीकरणम्। **ख) जलसंसाधनम्-** भूतलीयं जलम्, भूगर्भीयं जलम्, अतिवृष्टौ, अनावृष्टौ वा जलसम्बन्धी परस्परं विवादः जलबन्धेन लाभः हानिर्वा। **ग) खातजसंसाधानि-** खातजसंसाधनानाम् उपयोगः, दुरुपयोगश्च। दुरुपयोगस्य वारणाय सम्यगुपयोगाय च, उपयोगानां पर्यावरणेषु प्रभावोत्पादकमध्यनम्। **घ) खाद्यसंसाधनानि-** खाद्यसंसाधनस्य कारणानि, तत्समस्याश्च, अद्यतनकृषिः, तत्र कीटनाशकौषधस्य प्रभावः, जलावरोधनस्य प्रभावः, क्षारजलस्य च कृषिक्षेत्रे प्रभावः।	35	2

AECC (योग्यताऽभिवृद्धि पाठ्यक्रमः)
पर्यावरण विज्ञानम्

~~AECC-4~~ BE-E5-25	पाठ्यग्रन्थः पर्यावरण विज्ञानम्	पूर्णाङ्काः 100	क्रेडिट 06
इकाई	पाठ्यविषयाः	अङ्काः	क्रेडिट
1	**पर्यावरणीयं प्रदूषणम्** क) परिभाषा, प्रदूषणस्य कारणानि, प्रभावाः, तन्नियन्त्रणोपायाश्च। ख) वायुप्रदूषणम् ग) जलप्रदूषणम् घ) मृदाप्रदूषणम् ङ) सामुद्रिकं प्रदूषणम् च) ध्वनिप्रदूषणम् छ) तापीयप्रदूषणम् च) नाभिकीयप्रदूषणम्	35	2
2	**सामाजिकसमस्याः, पर्यावरणम्।** क) ऊर्जस्सम्बन्धिनः नगरसमस्याः। ख) जलसंरक्षणम् ग) पर्यावरणस्य नैतिकमूल्यानि, समस्याः, समाधानानि च।	25	2
3	क) जलवायुपरिवर्तनम् ख) पर्यावरणसंरक्षणस्य अधिनियमाः ग) वायुप्रदूषणस्य निराकरण-नियन्त्रणाधिनियमाः। घ) वन्यजीवसंरक्षणाधिनियमाः ङ) पर्यावरणवैधीकरणनियोजनेसमुपस्थिताः समस्याः।	20	1
4	क) पर्यावरणं मानवस्वास्थ्यञ्च ख) मानवाधिकारः ग) मूल्याधारिता शिक्षा घ) एच.आई.बी./एड्स, इति विषयगतसमस्याः।	20	1

2. Auther Compton Ricket, A History of English Literature

SEC- कौशलाऽभिवृद्धि-पाठ्यक्रमः

(संगणकविज्ञानम्)

SE-C-28-(3)

SEC-18	पाठ्यग्रन्थः:- संगणकविज्ञानम् (क्रेडिट-०२)
इकाई (3)	
1	**Computer Fundamental :** Characteristics of Computers, Input, Output, Storage units, CPU, Computer System Central Processing Unit - Processor Speed, Cache, Memory, RAM, ROM, Booting, Memory- Secondary Storage Devices: Floppy and Hard Disks, Optical Disks CD-ROM, DVD, Mass Storage Devices: USB thumb drive. Managing disk Partitions, File System Input Devices - Keyboard, Mouse, joystick, Scanner, web cam, Output Devices-Monitors, Printers – Dot matrix, inkjet, laser, Computer Software-Relationship between Hardware and Software; System Software, Application Software, Compiler, names of some high level languages, free domain software.
2	**Operating System:** An overview of different versions of Windows, Basic Windows elements, File management through Windows. Using essential accessories: System tools – Disk cleanup, Disk defragmenter, Entertainment, Games, Calculator, Imaging – Fax, Notepad, Paint, WordPad. Command Prompt- Directory navigation, path setting, creating and using batch files. Drives, files, directories, directory structure. Application Management: Installing, uninstalling, running applications.

3	**Microsoft Office** **MS Word:** Word processing concepts: saving, closing, Opening an existing document, Selecting text, Editing text, Finding and replacing text, printing documents, Creating and Printing Merged Documents, Character and Paragraph Formatting, Page Design and Layout. Editing and Profiling Tools: Checking and correcting spellings. Handling Graphics, Creating Tables and Charts.
4	**MS Excel** Spreadsheet Concepts, Creating, Saving and Editing a Workbook, Inserting, Deleting Work Sheets, entering data in a cell / formula Copying and Moving from selected cells, handling operators in Formulae, Functions: Mathematical, Logical, statistical, text, financial, Date and Time functions, Using Function Wizard. Formatting a Worksheet: Formatting Cells – changing data alignment, changing date, number, character or currency format, changing font, adding borders and colors, Printing worksheets, Charts and Graphs – Creating, Previewing, Modifying Charts. Integrating word processor, spread sheets, web pages.
5	**MS Power Point** Creating, Opening and Saving Presentations, Creating the Look of Your Presentation, Working in Different Views, Working with Slides, Adding and Formatting Text, Formatting Paragraphs, Checking Spelling and Correcting Typing Mistakes, Making Notes Pages and Handouts, Drawing and Working with Objects, Adding Clip Art and other pictures, Designing Slide Shows, Running and Controlling a Slide Show, Printing Presentations.
6	**Internet Technology** Internet, Growth of Internet, Owners of the Internet, Anatomy of Internet, ARPANET and Internet history of the World Wide Web, basic Internet Terminology, Net etiquette. Internet Applications – Commerce on the Internet, Governance on the Internet, Impact of Internet on Society – Crime on/through the Internet, Email Networks and Servers, Email protocols –SMTP, POP3, IMAp4, MIME6, Structure of an Email – Email Address, Email Header, Body and Attachments, Email Clients: Netscape mail Clients, Outlook Express, Web based E-mail. Email encryption- Address Book, Signature File, Overview of Internet Security, Firewalls, Internet Security, Management Concepts and Information Privacy and Copyright Issues, basics of asymmetric cryptosystems, Virus & Antivirus.
7	**Practical work** **Operating System** **Ms-office**

SEC- कौशलाऽभिवृद्धि-पाठ्यक्रमः (संगणकविज्ञानम्)

चतुर्थसत्रम्

SEC-28 (3)	पाठ्यग्रन्थः संगणकविज्ञानम्	पूर्णाङ्काः १००	क्रेडिट ०२
इकाई		अङ्काः	क्रेडिट
1	Programming in 'C' Language Introduction to the C Language, Data Types and Variables, Operators,Input/ Output Management	20	
2	Control-flow Statements, Iteration, Modular Programming with Functions, Arrays, Pointers, and Strings, Structures and Dynamic Memory Allocation.	20	
3	Basic concept of database, data independence, data models, relational data model, relational algebra, entity relation diagram, normalization, functional dependency.	20	
4	Introduction to Microsoft Access, backup and recovery, integrity, security.	20	
5	Practical Work C Language Ms Access	20	

ELCC-2

पंचम सत्रम्

AE-MA-26

MME-1 प्रथमपत्रम्	पाठ्यग्रन्थः (मानवाधिकारः पाठ्यक्रम)	पूर्णाङ्काः १००	क्रेडिट ०२
इकाई	पाठ्यविषयाः	अङ्काः	क्रेडिट
1	Relevance of the study in Human Rights in India Social Aspects Economic aspects Political aspects	20	
2	Evolution of Human Rights and Duties Inter-civilization approach to Human Rights Theoretical perspectives Developmental perspectives Human Rights movements in India	35	
3	Human Rights: International Norms Universal Declaration of Human Rights Civil and Political rights	20	
4	Economic, social and cultural rights Rights against torure, discrimination and forced Labour	25	

AE-MM-27

MME (मानवीयमूल्य-शिक्षा)

पंचमसत्रम्

MME-2 द्वितीयपत्रम्	पाठ्यग्रन्थः मूल्यशिक्षा-	पूर्णाङ्काः १००	क्रेडिट ०२
इकाई	पाठ्यविषयाः	अङ्काः	क्रेडिट
1	मानवीयमूल्यम्-अवधारणा, दार्शनिकपृष्ठभूमिः, नैतिकमापदण्डः, प्रकृतयः तद्वर्गीकरणञ्च।	20	
2	गांधी-स्वामिविवेकानन्द-रविन्द्रनाथटैगोराणां मुख्यं दर्शनम्।	15	
3	मानवीयमूल्यं राष्ट्रियैकता च।	15	
4	धर्मः, मूल्यम्।	15	
5	व्यक्तित्वस्यविकासे मानवीयमूल्यानाम् उपादेयता।	20	
6	सांस्कृतिकसम्बन्धः तथा आध्यात्मिकसम्बन्धः तत्प्रेरणास्रोतांसि च।	15	

AE-MM-27

MME (मानवीयमूल्य-शिक्षा)

षष्ठसत्रम्

MME-4 (मूल्यशिक्षापाठ्यक्रमः)	पाठ्यग्रन्थः मूल्यशिक्षा-पाठ्यक्रमः	पूर्णाङ्काः १००	क्रेडिट ०२
इकाई	पाठ्यविषयाः	अङ्काः	क्रेडिट
1	प्रेम, सत्यम्, सदाचारः, शान्तिः, अहिंसाच।	20	
2	नैतिकः आधारः, कर्तव्यञ्च।	15	
3	संवैधानिकव्यवस्थायां मूल्यानि ।	15	
4	संस्कृतिमाध्यमेन मूल्यानां सर्जनम्।	15	
5	सामाजिकमूल्यानां परिवर्तनशीलानि परिदृश्यानि।	20	
6	मानवीयमूल्यानां शिक्षा, साधनं, विविधता च।	15	

सन्दर्भग्रन्थाः-

1) जैश्री, मूल्य, पर्यावरणऔरमानवअधिकार की शिक्षाशिप्राप्रकाशन, दिल्ली
2) मोहितचक्रवर्ती, मूल्यशिक्षा, कनिष्कप्रकाशन, नईदिल्ली
3) वि. वेङ्कटराव, मानवमूल्यानितद्विकासकाराणि च, न्यूभारतीय बुककॉरपोरेशन, दिल्ली
4) सुषमाश्रीवास्तव एवंविनीताअग्रवाल, समाज के मूल्योंकापरिवर्तमानपरिदृश्य एवंउच्चशिक्षा, अध्ययन